MR. DEPUTY CHAIRMAN: Would you like to react hon. Minister?

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD): The Home Minister should give a statement on this. ...*(Interruptions)*...

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (डा. नजमा ए. हेपतुल्ला) : सर, लॉ एंड ऑर्डर स्टेट का सब्जेक्ट है। जो माननीय सदस्य ने कहा है, मैं होम मिनिस्टर साहब तक वह पहुंचा दूंगी। ...(**व्यवधान**)...

श्री अली अनवर अंसारी : महिलाओं पर वर्षों से अत्याचार होते रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : प्लीज...प्लीज...(**व्यवधान**).. उनको बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... You listen to the Minister. ...*(Interruptions)*... आप सुनिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए ...सुनिए...सुनिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए, मंत्री महोदया बोल रही हैं। आप सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री अविनाश राय खन्ना (पंजाब) : एक मिनट आप मंत्री जी की बात तो सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)... आप सुनना नहीं चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

डा. नजमा ए. हेपतुल्ला : इन्होंने जो बात उठाई है, उसका ताल्लुक स्टेट गवर्नमेंट से है। यह लॉ एंड ऑर्डर का मैटर है।

श्री उपसभापति : लेकिन यह विमेन एंड चिल्ड्रन की बात है।

डा. नजमा ए. हेपतुल्ला : मैं होम मिनिस्टर साहब तक इस मामले को पहुंचा दूंगी और जो भी इन्क्वारी आवश्यक होगी, वे जरूर करेंगे।

श्री उपसभापति : यह विमेन एंड चिल्ड्रन की बात है, इसलिए यह हो सकता है। श्री तरुण विजय, आप बोलिए।

Beating of students of North-East resulting in death of a student in New Delhi

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड) : उपसभापति महोदय, मैं आज मणिपुर के 29 वर्षीय युवक, शलोनी को गत रात जो पीट-पीटकर दिल्ली में मार दिया गया, उस घटना की भर्त्सना के लिए और उस परिवार के साथ पूरे सदन की सहानुभूति और हमदर्दी के लिए खड़ा हुआ हूं।

महोदय, यह पहली घटना नहीं है। दिल्ली में लगातार उत्तर पूर्वांचल के बच्चों के साथ, युवक-युवतियों के साथ जो दानवी, पाशविक, अमानवीय अत्याचार हो रहे हैं, उनकी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। महोदय, यह वह उत्तर पूर्वांचल है, जहां से देश के सबसे ज्यादा बहादुर बच्चे, लड़के, फौजी मिलते हैं, जो भारत के तिरंगे के लिए जान देते हैं। यह वह पूर्वांचल है, जिसको सुंदरता में राम मनोहर लोहिया जी ने भारत का 'यक्ष प्रदेश' कहा था। यह वह पूर्वांचल है, जहां से रानी Gaidinliu हुईं, जिनको पंडित नेहरू ने, कोहिमा की जेल में जब वे मिलने गए, तो उनको रानी का खिताब दिया और श्रीमती गांधी ने उनको पद्मभूषण और स्वतंत्रता सेनानी का ताम्र-पत्र दिया था। 16 साल की उम्र में उन्होंने अंग्रेजों के साथ गुरिल्ला युद्ध किया था, लेकिन आप कितना जानते हैं पूर्वांचल के बारे में?

[श्री तरुण विजय]

महोदय, 29 जनवरी को नीडो तानिया की इसी नृशंसता और पाशविकता के साथ पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। नीडो तानिया की मां, श्रीमती मारिया, अभी पिछले दिनों मेरे घर आई थीं और रोने लगीं। कहने लगीं, तरुण जी, हम लोगों का कुसूर क्या है? Just because we look different, just because we don't have enough educational institutions in the North-East. With a dream in our eyes and with aspirations in our heart, we send our children to study in Delhi, in Chandigarh, in Jalandhar and in Bengaluru. Is that our crime? Is that our crime that our names are not like yours? मेरा बेटा क्रिश्चियन था, पर हमने उसे रामकृष्ण मिशन के स्कूल में पढ़ाया। इसलिए पढ़ाया कि वह स्कूल अच्छा था। वह मुझसे कहता था, मां, मैं जब आऊंगा, तो आपको विवेकानन्द और रामकृष्ण जी की कहानी सुनाऊंगा। अब कौन सुनाएगा मुझे? ये पूर्वांचल के बच्चों के साथ दिल्ली के लोग क्या करते हैं? दिल्ली के लोग उन बच्चों को यह महसूस कराते हैं कि यह उनका घर नहीं है, यह शायद विदेश ही है। वे लोग यहां आकर कहते हैं कि क्या हम दिल्ली नहीं आ सकते? क्या यह भारत में नहीं है? क्या आप लोगों का हिन्दुस्तान, कोलकाता और गुवाहाटी के पार नहीं है? कितने लोग वहां के हीरोज, वहां के नायक, वहां के महापुरुषों के नाम हमें बता सकते हैं? कितने लोग वहां के नामों का उच्चारण कर सकते हैं? कितने लोग यह जानते हैं कि अरुणाचल की कोई विक्टिम है और उसको हर महीने यहां तीस हजारी अदालत में पेशी के लिए आना पड़ता है, अपना पैसा खर्च करके आना पड़ता है, होटल में रुकना पड़ता है, क्या सरकार उनके लिए विशेष व्यवस्था कर सकती है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your time is over. ...*(Interruptions)*... Time is over. ...*(Interruptions)*... Time is over. ...*(Interruptions)*...

श्री तरुण विजय : उसको यहां पर न आना पड़े ...(**समय की घंटी**)...

SHRI ANAND BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. BHALCHANDRA MUNGEKAR (Nominated): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI PANKAJ BORA (Assam): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

† **چودھری منوّر سلیم (اتّر پردیش) :** مہودے، میں مانّئے سدسئے کے ویکتوے سے خود کو سمبدّھ کرتا ہوں۔

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

†Transliteration in Urdu script.

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री मोहम्मद अदीब (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

†**جناب محمد ادیب (اتّر پردیش) :** مہودے، میں مانَنے سدسئے کے ویکتوے سے خود کو سمبدَھ کرتا ہوں۔

डा. एम.एस. गिल (पंजाब) : महोदय, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री के.सी. त्यागी (बिहार) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री मोहम्मद अली खान (आन्ध्र प्रदेश) : महोदय, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूं।

†**جناب محمد علی خان (آندھرا پردیش) :** مہودے، میں بھی اس وشئے کے ساتھ ایسوسی-ایٹ کرتا ہوں۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Sukhendu Sekhar Roy, you have given the name. ...*(Interruptions)*... You can associate. ...*(Interruptions)*... All names should be noted. ...*(Interruptions)*... Yes, Mr. Sukhendu Sekhar Roy, you have given your name. You can associate. ...*(Interruptions)*... Yes, all the names should be noted.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, I had given a separate notice.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, you can associate.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, I just want to say a few lines.

Sir, with a heavy heart, I invite the attention of this House to what Mr. Tarun Vijay has said. I had also given a separate notice for that. In fact, communities with Mongoloid

†Transliteration in Urdu script.

features are being targeted. This is not an isolated incident that took place yesterday that a young man was beaten to death. Since January, three people from North-Eastern Region have been killed in different areas of Delhi and five people from North-Eastern Region have been assaulted brutally. Even one lawyer was assaulted in Tis Hazari Court by another group of lawyers. In broad daylight, this is happening in the National Capital!

Sir, most of the people from the North-Eastern Region are working in BPOs, beauty parlours, etc. The Home Minister visited the sister of the deceased yesterday and he was on record saying that it was a pre-planned attack, although Delhi Police has not subscribed to his views. Therefore, I demand that the Home Minister should make a statement in this House on this issue and the recommendations of the Bezbarua Committee on North-Eastern people, how they are subjected to racial discrimination, should also be... *(Interruptions)*...discussed by the hon. Minister.

SHRIMATI KANIMOZHI (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRI D. BANDYOPADHYAY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

DR. M.S. GILL: Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, I agree that it is a very serious matter. ...*(Interruptions)*... Yes, all the names will be noted. I would like to make an observation on this. ...*(Interruptions)*... I would like to say something. This is a very serious matter because the kind of discrimination on the basis of somebody's place of origin is an ethnic discrimination. It should not happen in our country where "सर्वधर्म समभाव" और "वसुधैव कुटुम्बकम" is what has been taught to us. I don't see the Parliamentary Affairs Minister, but the hon. Minority Affairs Minister, a very experienced and senior Minister, is here. Kindly bring it to the notice of the Home Minister and we would like the Home Minister to inform the House as to what steps are being taken in this regard.

THE MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (DR. NAJMA A. HEPTULLA): Sir, I agree with the entire House that this discrimination should not be done. I will convey the sentiments of the entire House and yours to the hon. Minister for Home Affairs to take action on this.

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRI K.N. BALAGOPAL (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRIMAT1 JHARNA DAS BAIDYA (Tripura): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRI PYARIMOHAN MOHAPATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRI M.P. ACHUTHAN (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Sharad Yadav.

Issue of civil services examination conducted by UPSC

श्री शरद यादव (बिहार) : उपसभापति महोदय, मैंने इस मामले में सात दिन से नोटिस दिया हुआ है। भारतीय भाषाओं में, हिन्दी को छोड़कर, नॉन हिन्दी इंडियन लैंगुएजेज़ की जिस तरह से तबाही मची हुई है, यू.पी.एस.सी. के जो एग्ज़ाम हैं ...(**व्यवधान**)... डी.ओ.पी.टी. के ऑनरेबल मिनिस्टर इस पर स्टेटमेंट देना चाहते थे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sharad*ji*, can I say something? In this regard, the Minister has given a statement. एक स्टेटमेंट ले की है। ...(**व्यवधान**)... उन्होंने कल स्टेटमेंट ले की है और उसके बारे में क्लैरीफिकेशंस होने वाले हैं। The BAC will decide as to when the clarifications will be taken up.

SHRI SHARAD YADAV: Sir, please listen to me for one minute. सर, हजारों बच्चे मुखर्जी नगर में, पार्लियामेंट में, प्राइम मिनिस्टर के यहां, मेरे घर के बाहर बैठे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि मैं आपकी बात को बिल्कुल मानता हूं कि इस पर क्लैरीफिकेशंस होंगे। जब तक क्लैरीफिकेशंस होंगे, तब तक तो बहुत देर हो जाएगी। मैं आपको एक ही आंकड़ा देता हूं यानी तमिल विद्यार्थी 2008 में 98 थे, 2009 में 90 हो गए, 2010 में 38 हो गए, और 2011 में 14 हो गए। इसी तरह से तेलुगू के विद्यार्थी आज 170 हैं। ये 2008 और 2009 में 85 थे, 2010 में 69, 2011 में 29 हो गए। मेरा आप से यह कहना है कि ...(**व्यवधान**)... सिर्फ एक शब्द, एक मिनट, कि इसमें जितना डिले होगा, उतना लोगों पर इसका असर पड़ेगा। आज लोग भूख हड़ताल कर रहे हैं और उनके ऊपर लाठीचार्ज हो रहा है। उनको टेंट नहीं लगाने दे रहे हैं। वे हर एम.पी. के पास जा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will have clarifications. ...*(Interruptions)*...

श्री शरद यादव : ऐसा कोई एम.पी. नहीं है, जिसके पास न गए हों। ...(**व्यवधान**)... वे आपके पास भी गए हैं। ...(**व्यवधान**)...